प्रत्यक्ष आवंटन योजना के छठवें चरण की आज से शुरूआत करेगा रीको प्रशासन

14 अक्टूबर तक राइजिंग राजस्थान समिट में सरकार के साथ एम.ओ.यू करने वाले निवेशक 13 नवंबर तक ईएमडी जमा करवाकर आवेदन कर सकेंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना के पाँच चरणों को मिली अभूतपूर्व सफलता के पश्चात् इस योजना के छठे चरण की शुरूआत 30 अक्टूबर से की जा रही है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में 14 अक्टूबर तक राज्य सरकार के साथ एमओयू करने वाले निवेशक 30 अक्टूबर से 13 नवम्बर 2025 तक ऑनलाइन ईएमडी जमा कर आवेदन कर सकेंगे। इस चरण की ई-लॉटरी 18 नवम्बर को निकाली जायेगी।

■ **इसके बाद 18 नवंबर को ई-लॉटरी के जरिए 100 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 6000 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध करवाये जाएंगे**

योजना के छठवें चरण में निवेशकों को जयपुर में माथासुला, मंडा (द्वितीय), रेनवाल, कुंजबिहारीपुरा, तूंगा, जोधपुर में झाक, बीकानेर में करणी विस्तार और गजनेर जैसे 100 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 6000 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध करवाये जाएंगे। योजना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, महिला उद्यमी, भूतपूर्व सैनिक, बेंचमार्क दिव्यांगजन तथा सशस्त्र बलों/अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों के आश्रितों हेतु पृथक आरक्षण प्रावधानित है।

सितंबर माह में आयोजित हुए योजना के पंचम चरण में 224 भूखण्डों के लिये 322 आवेदन प्राप्त हुये थे। इनमें सबसे ज्यादा रूझान कुंजबिहारीपुरा (जयपुर), बोरानाडा विस्तार एवं मलसीसर (झुंझनुं) के औद्योगिक भूखण्डों के लिये देखा गया। रीको को इस योजना के अंतर्गत अब तक 990 भूखण्डों के लिये 1450 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें से 707 भूखण्डों का आवंटन किया चुका है और 213 प्रक्रियाधीन हैं।

ज्ञात रहे कि 50 हजार वर्गमीटर तक एक ही आवेदक होने की स्थिति में सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी द्वारा आवंटन होगा।

50 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल से अधिक के लिए आवेदक की पात्रता तथा भूमि आवश्यकता के गुणावगुण के आधार पर आवंटन किया जायेगा। निवेशकों को अमानत राशि के तौर पर कुल देय प्रीमियम राशि का 5 प्रतिशत ऑनलाइन आवेदन के साथ जमा कराना अनिवार्य होगा।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के अंतर्गत आवेदन करने वाले निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिसकी ओर से एमओयू निष्पादित किया गया है, भूखण्ड आवंटन उसी कंपनी अथवा व्यक्ति के नाम किया जायेगा। अतः ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण के समय इस बिंदु का विशेष ध्यान रखा जाना अपेक्षित है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के "शहरी-ग्रामीण सेवा शिविर" बने आमजन के मददगार

प्रदेश के लाखों लोगों को 18 विभागों की सेवाएं एक ही छत के नीचे सुलभ हुई

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए "शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविरों" के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं को समाधान मिला। इन शिविरों ने 18 विभागों की सेवाओं को एक ही छत के नीचे आमजन को उपलब्ध कराया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर प्रारंभ हुए ये शिविर मुख्यमंत्री शर्मा की जनकेन्द्रित कार्यक्रमों का प्रमुख उदाहरण के रूप में उभरे हैं। सेवा शिविरों के अब तक (17 सितम्बर से 25 अक्टूबर) 1 लाख 99 हजार से अधिक पट्टा वितरण और 2 लाख 67 हजार से अधिक मंगला पशु बीमा पॉलिसी जारी की गई है। साथ ही 1 लाख 25 हजार से अधिक जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, 2 लाख 8 हजार से अधिक जाति प्रमाण पत्र और 1 लाख 75 हजार से अधिक मूल निवास प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ **1.99 लाख लोगों को पट्टे, 2.67 लाख लोगों को पशु बीमा पॉलिसी जारी हुई**

■ **सवा लाख से ज्यादा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, 2.08 लाख से ज्यादा जाति प्रमाण पत्र मिले**

इसी प्रकार 2 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का सत्यापन, 1 लाख 51 हजार से अधिक जनधन योजना के अंतर्गत बैंक खातों का खोलना तथा 1 लाख 42 हजार से अधिक नई स्ट्रीट लाइट्स को लगाना और मरम्मत कार्य किए गए हैं। वहीं, 17 लाख से अधिक किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया तथा 10 लाख 96 हजार से अधिक नागरिकों की टीबी की जांच के साथ 24 लाख 84 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया गया।

प्रदेशभर में आयोजित हुए इन शिविरों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर 97 हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण और जन आधार योजना में 1 लाख 14 हजार से अधिक पात्रों का संशोधन और अद्यतन किया गया। वहीं, 25 हजार से अधिक लोगों के स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण आवेदन लेने के साथ ही 75 हजार से अधिक को वय वंदन कार्ड जारी किए गए। ये शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुए हैं। प्राप्त आंकडों के अनुसार इन शिविरों में 1 लाख 56 हजार से अधिक भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरणों और 1 लाख 25 हजार से अधिक नामांतकरण प्रकरणों का निस्तारण करने के साथ ही 1 लाख 19 हजार से अधिक फार्मर रजिस्ट्री में पंजीयन किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्यों के साथ ही पात्र व्यक्ति और परिवारों को वृहद् स्तर पर जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। वहीं शहरी सेवा शिविरों में सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण आदि के साथ ही जन्म-मृत्यु या विवाह पंजीयन, पट्टे, एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण, भवन स्वीकृति, टैक्स जमा, सीवर कनेक्शन, जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

ए.डी.जी.पी. विशाल बंसल ने संभाला एसओजी का पदभार

अपराध नियंत्रण को लेकर दिए सख्त निर्देश

जयपुर। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विशाल बंसल ने बुधवार को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजीपी) का पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने एसओजी मुख्यालय परिसर का निरीक्षण किया और अधिकारियों से विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

इस मौके पर एसओजी के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने उनका स्वागत किया। एडीजीपी बंसल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों की जांच समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए और साइबर अपराध, संगठित अपराध तथा नशे की तस्करी जैसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि एसओजी की पहचान राज्य में गंभीर अपराधों की प्रभावी जांच और अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई के लिए जानी जाती है, और इस परंपरा को आगे और मजबूत किया जाएगा।

बंसल ने अधिकारियों से संगठित टीमवर्क और तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि राज्य में अपराध नियंत्रण और जनता के विश्वास को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम में होगा बदलाव

जयपुर। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने पदभार ग्रहण करते ही कमिश्नरेट में संगठित अपराध पर लगाम लगाने के साथ गैंगस्टर्स और मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए नई सीएसटी टीम बनाने की कवायद शुरु कर दी है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर, स्पेशल कमिश्नर ऑपरेशन्स राहुल प्रकाश ने कमिश्नरेट की स्पेशल टीम की बैठक ली। इस दौरान सीएसटी में काम कर रहे पुलिसकर्मियों से उनके काम को लेकर जानकारी ली गई।

क्राइम कंट्रोल और मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर भी पुलिसकर्मियों से सुझाव लिए गए। इस मीटिंग के बाद पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि टीम का रिव्यू कर लिया गया है।जल्द एक नई टीम तैयार करने पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके बाद कमिश्नर ने स्पेशल कमिश्नर राहुल प्रकाश को सीएसटी में टीम इंचार्ज सहित अन्य पदों पर जल्द ही नियुक्ति करने के आदेश दिए। सीएसटी टीम में सीआई से लेकर कॉन्स्टेबल तक करीब 25 से 30 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएगें। इसके लिए सक्षम पुलिसकर्मियों और उनके कार्य को देखा जा रहा है। इस दौरान पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि नई टीम को सीनियर अधिकारियों और नए कानून के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने प्रसंज्ञान आदेश रद्द करने से इनकार किया

लापरवाही के मामले में महिला चिकित्सक के खिलाफ चलेगी ट्रायल

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रसव के दौरान नवजात की मौत के मामले में निचली अदालत की ओर से सेवायतन अस्पताल की चिकित्सक डॉ. विनय सुरैन के खिलाफ निचली अदालत की ओर से लिए प्रसंज्ञान को सही माना है। अदालत ने कहा कि मामले में कोर्ट की ओर से की गई टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना निचली अदालत मामले की सुनवाई करेगी। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. विनय सुरैन की आपराधिक याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि निचली अदालत ने मामले में पेश एफआर को अस्वीकार कर इसे अग्रिम अनुसंधान के लिए भेजने के दौरान कोई गलती नहीं की है।

■ **प्रसव के दौरान नवजात की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने सेवायतन अस्पताल की चिकित्सक डॉ. विनय सुरैन के खिलाफ निचली अदालत की ओर से लिए प्रसंज्ञान को सही माना**

याचिका में कहा गया कि मामले में सोडाला थाना पुलिस ने दिसंबर, 2007 में एफआर पेश कर दी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता को समय देने के बाद भी उसने प्रोटेस्ट पिटिशन दायर नहीं की।

वहीं दूसरी ओर जांच अधिकारी के प्रार्थना पत्र पर अदालत ने प्रकरण को अग्रिम अनुसंधान के लिए भेज दिया और मामले में सीआईडी सीबी ने याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप पत्र पेश कर दिया। जिस पर निचली अदालत ने प्रसंज्ञान ले लिया। ऐसे में प्रसंज्ञान आदेश को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए परिवादी दिनेश आर मेहता की ओर से अधिवक्ता अंशुमन सक्सेना ने बताया कि परिवादी की पुत्रवधू सोनल को डिलीवरी के लिए सेवायतन अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां डिलीवरी के दौरान नवजात की मौत हो गई।

याचिकाकर्ता अपने आप को स्त्री रोग विशेषज्ञ होने का दावा करती है, लेकिन वह इसकी विशेषज्ञता नहीं रखती है। इसके अलावा अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए भी दक्ष स्टाफ नहीं था। ऐसे में याचिकाकर्ता की लापरवाही के चलते नवजात की मौत हुई थी और निचली अदालत ने मामले में प्रसंज्ञान लेकर कोई गलती नहीं की है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत याचिका को खारिज कर दिया है।

औषधीय जड़ी-बूटियों की आधुनिक कृषि-प्रौद्योगिकी विकसित करना समय की आवश्यकता : स्वामी रामदेव

जैव विविधता ही कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में 'मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 28 अक्टूबर को संपन्न हुआ। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, आरसीएससीएनआर-1 के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से, भरुवा एग्री साइंस के संयुक्त प्रयास में यह आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ पृथ्वी, स्थायी कृषि, दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और इसे वैश्विक स्तर पर मजबूत करना था। इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय किसान, शोधकर्ता, कृषि विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हुए, जिन्होंने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के तकनीकी उपायों पर चर्चा की। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण महाराज ने मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। स्वागत उद्बोधन डॉ. ए.के. मेहता, निदेशक तकनीकी, उद्यानिकी, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट ने दिया।

पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित 'मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 28 अक्टूबर को संपन्न हुआ।

स्वामी रामदेव ने कहा कि, संभावित औषधीय जड़ी-बूटियों की आधुनिक कृषि-प्रौद्योगिकी विकसित करना आज की आवश्यकता है। योग, ऋषि और हरित क्रांति का संदेश देते हुए कहा कि रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से मूक धरती पीड़ा झेल रही है, जिसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जैव विविधता ही कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी है, इसलिए कृत्रिम खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाएं। उन्होंने कहा कि देश में कुल फूड प्रोसेसिंग का 10 प्रतिशत कार्य होता है, जिसमें पतंजलि की भागीदारी 8 प्रतिशत है। आंवला, एलोवेरा, अनाज और तिलहन उत्पादन में पतंजलि अग्रणी है।

संस्था प्रकृति, पर्यावरण और धरती के संरक्षण हेतु समर्पित है तथा बायो कंपोस्ट और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों पर निरंतर अनुसंधान कर रही है। भारत सरकार के सहयोग से पतंजलि ने 80 हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हमारे किसान मृदा परीक्षण, मिट्टी प्रबंधन, फसल नियोजन, सिंचाई और कीट नियंत्रण में सुधार कर सकते हैं।

उन्होंने तकनीकी एकीकरण से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और संबंधित चुनौतियों के समाधान पर भी विशेष बल दिया।

मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम जल्द हो : जोराराम कुमावत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट में की गई घोषणाओं की शत-प्रतिशत क्रिन्यावित के लिए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शासन सचिवालय में देवस्थान विभाग की समीक्षा बैठक ली।बैठक में देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बजट वर्ष- 2024-25 व 2025-26 में विभाग के लिए की गई घोषणाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए विभाग के मंदिरों में जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर का कार्य पूरा जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। डीपीआर बनाकर मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के लिए आयुक्त की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया

नहर के गणेशजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

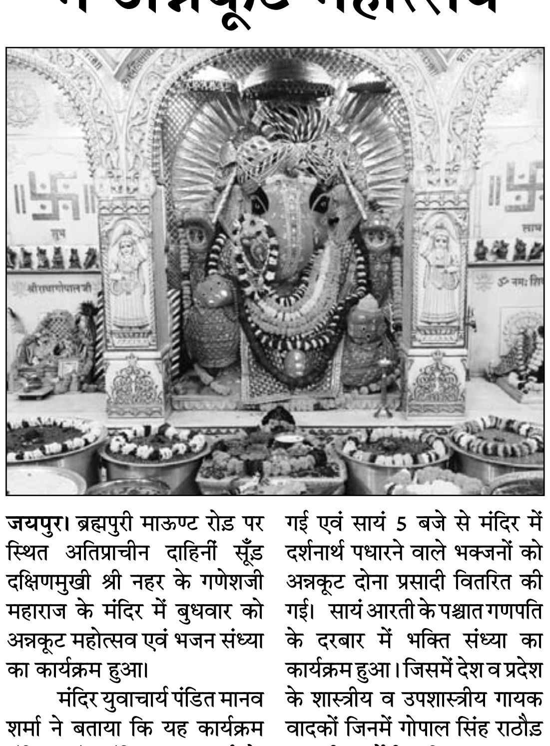

जयपुर। ब्रह्मपुरी माऊण्ट रोड पर स्थित अतिप्राचीन दाहिर्नी सूँड दक्षिणमुखी श्री नहर के गणेशजी महाराज के मंदिर में बुधवार को अन्नकूट महोत्सव एवं भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ।

मंदिर युवाचार्य पंडित मानव शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम मंदिर महंत पंडित जय शर्मा के सान्निध्य में मनाया गया। जिसमें बुधवार प्रातः मंगला आरती में प्रभु को नवीन पौषाक व साफा धारण करवाकर प्रातः 5.30 पर मंगला आरती की गई । तापश्चात सायं 4.30 पर प्रथमपूज्य को अन्नकूट भोग में मीठी लापसी, मूंग, चौला, बाजरा, चाँवल , खीर, पुडी, कढ़ी, गड़मड़ की सब्जी,चूरमा इत्यादि व्यंजनों का भोग लगाकर आरती की गई एवं सायं 5 बजे से मंदिर में दर्शनार्थ पधारने वाले भक्जनों को अन्नकूट दोना प्रसादी वितरित की गई। सायं आरती के पश्चात गणपति के दरबार में भक्ति संध्या का कार्यक्रम हुआ । जिसमें देश व प्रदेश के शास्त्रीय व उपशास्त्रीय गायक वादकों जिनमें गोपाल सिंह राठौड़ , सुरभी चतुर्वेदी, भूमिका अग्रवाल, बुंदु खाँ , बनारसीदास , हेमराज , दिलशाद , परमेश्वर कथक, साँवरमल कथक, संजीव शर्मा, संदीप सोनी इत्यादि द्वारा सांगितिक प्रस्तुतियाँ दी गई। मंच संचालन आर.डी अग्रवाल, राजेश आचार्य , शोभाचन्दर पारिक ने किया। आगंतुक समस्त कलाकारों का स्वागत मंदिर महंत परिवार द्वारा किया गया ।

ओ.आर.एस. के नाम पर धड़ल्ले से बिक रहे पेय पदार्थ जब्त किए खाद्य विभाग ने

जयपुर। "शुद्ध आहार- मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने राजधानी जयपुर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि विभाग को शिकायतें प्राप्त हुई थीं कि बाजार में ओआरएस नाम से मिलते-जुलते रेडी टू सर्व फ्रूट बेवरेज/इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक के रूप में कई पेय पदार्थ विभिन्न फ्लेवर में बेचे जा रहे हैं। ये उत्पाद इस तरह प्रस्तुत किए जा रहे थे कि आमजन भ्रमित हो रहे थे कि यह दस्त या डिहाइड्रेशन की स्थिति में शरीर में पानी की कमी पूरी करने वाला ओआरएस घोल है, जबकि वस्तुतः ये केवल फ्रूट फ्लेवर पेय पदार्थ है।

जांच के दौरान विभागीय टीम ने ऐसे पांच विभिन्न फ्लेवरों के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत जांच के लिए सैंपल लिए तथा शेष 193200 मिलीलीटर पेय पदार्थ को मौके पर सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, विशाल मित्तल, नरेश कुमार चेजारा, नरेंद्र शर्मा एवं पवन कुमार गुप्ता की सराहनीय भूमिका रही।

इधर बाजार में दवाई के नाम पर ओ आर एस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट्स) से मिलते जुलते नामो से भ्रामक रूप से पेय पदार्थ बेचे जा रहे हैं। जिस पर आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम द्वारा मध्यम मार्ग मानसरोवर स्थित अपोलो फार्मेसी पर कार्यवाही की, जिसमे फ्रूट ड्रिंक के 200-200 मिलीलीटर के टेट्रा पैक को भ्रामक तरीके से ओ आर एस के रूप में बेचा जा रहा था।

फूड सेफ्टी टीम ने मानसरोवर स्थित अपोलो फार्मेसी पर कार्यवाही कर फ्रूट ड्रिंक के 200-200 मिलीलीटर के टेट्रा पैक जब्त किए।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि इस फर्म पर ओआरएस अल ब्रांड की रेडी टू सर्व फ्रूट बेवरेज इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक डीहाइड्रेट को एप्पल,ऑरेंज फ्लेवर के 77 टेट्रा पैक रखे हुए थे जिनके नमूने लेकर शेष को सीज किया गया। टीम के द्वारा खरीद बिल मांगने पर सेल्समैन कालूराम ने अपोलो फार्मेसी के मालवीय नगर स्थित डिपो का बिल पेश किया, जिस पर एक टीम को डिपो पर भेजा गया। डिपो से भी उक्त भ्रामक ब्रांड के ड्रिंक के 3 नमूने लेकर 585 टेट्रापैक सीज किए गए। विभाग द्वारा ओ आर एस के नाम पर बाजार में बिक रहे ऐसे उत्पादों को रिकॉल करवाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

डॉक्टर मित्तल ने बताया कि ओ.आर.एस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत एक मानक दवा है, जिसका उपयोग तीव्र दस्त (डायरिया) के उपचार में किया जाता है जिसके स्टैंडर्ड डीसीजीआई द्वारा निर्धारित किए गए हैं। जबकि बाजार में मिल रहे भ्रामक पेय उत्पाद वास्तव में नॉन कार्बोनेटेड या फ्रूट आधारित पेय पदार्थ हैं जिसका उपयोग औषधीय रूप से नहीं किया जा सकता है।

सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण और अखंडता के योगदान को जन-जन तक पहुंचाएंगे : मदन राठौड़

मतदाता सूची से बाहरी व्यक्तियों का नाम हटना जरूरी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती देश के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर है। भाजपा द्वारा "सरदार-150 यूनिटी" अभियान के माध्यम से एक व्यापक जन-जागरण अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण और अखंडता के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। इसकी शुरूआत 31 अक्टूबर को जयपुर से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के साथ किया जाएगा, इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित प्रदेश के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक भाग लेंगे। इसके पश्चात प्रत्येक जिला और विधानसभा क्षेत्र में रन फॉर यूनिटी आयोजित की जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एसआईआर होना ही चाहिए, यह मतदाता सूची का गहनता से परीक्षण है। भारत किसी धर्मशाला की तरह नहीं है कि कोई भी आए, रहे और वोटर बनकर पैसे के लिए अपना मताधिकार बेच दे। कोई भी बांग्लादेशी, रोहिंग्या आकर मतदाता बन जाए और वोट बेच दें, यह हो नहीं सकता। ऐसे लोगों का नाम मतदाता सूची से कटना ही चाहिए।

राठौड़ ने निकाय -पंचायत चुनावों के देरी के सवाल पर कहा कि कांग्रेसी लोग अनभिज्ञता के कारण ऐसे सवाल उठा रहे है। मतदाता सूची लोकसभा-विधानसभा की अलग और निकाय एवं पंचायत चुनावों की अलग होती है। इनकी भाग संख्या अलग होती है, इनके मतदाता सूची अलग होती है, यह समझने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि देरी कांग्रेस के अव्यवस्थित रूप से वार्डों का गठन करने के कारण हुई। कांग्रेस ने अपने चहेतों के हितों को साधने के लिए कहीं एक विधानसभा का जिला बना दिया तो कहीं 13 विधानसभा का एक जिला, कहीं 700 मतदाताओं का वार्ड बना दिया तो कहीं 7 हजार मतदाताओं का वार्ड बना दिया। यह कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति थी, जो वो अपने चहेतों को खुश करने के लिए अपना रहे थे, लेकिन भाजपा की भजनलाल सरकार ने इसमें सुधार करते हुए, उनके बिगड़े हुए ढांचे को सुधारते हुए समान जनसंख्या के आधार पर पुनर्गठन करने का काम किया है। इस नई व्यवस्था के चलते उनको दर्द हो रहा है। उनको लग रहा है कि अब हम तो आएंगे ही नहीं। वैसे मैं यहां स्पष्ट कर दूं कि वो कहीं आने वाले ही नहीं है।

जेल में बंदियों ने बनाया भारत का विशाल नक्शा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को विशिष्ट केंद्रीय कारागार श्यालावास में बंदियों ने एक ऐसा आयोजन किया जिसने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया।

जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ की प्रेरणा से और जेलर विकास बागोरिया के मार्गदर्शन में जेल परिसर के खुले मैदान में चार सौ से अधिक बंदियों ने मिलकर भारत का एक विशाल नक्शा तैयार किया। इसके बाद सभी बंदी इस नक्शे में व्यवस्थित रूप से बैठकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

■ **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की प्रतीकात्मक प्रस्तुति के साथ सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित**

इस अनूठे प्रदर्शन का सबसे बड़ा आकर्षण नक्शे के ठीक केंद्र में स्थापित सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा थी, जो उनकी प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का प्रतीकात्मक रूप थी। इस प्रस्तुति ने लौह पुरुष को एक अनोखी और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। आयोजन के दौरान बंदियों ने पूरे जोश के साथ तिरंगी झंडियाँ लहराई और देशभक्ति के नारे लगाए।